

मुख्यमंत्री ने राजमि में लक्ष्मण झूला का कथि लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

1 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के परयाग राजमि में नवनिर्मित लक्ष्मण झूला (सस्पेंशन ब्रिज) आम जनता को समर्पित कथि। त्रविणी संगम के समीप बने इस झूले से राजमि के राजीव लोचन मंदिर से कुलेश्वर महादेव मंदिर और लोमश ऋषि आश्रम आपस में जुड़ जाएंगे।

प्रमुख बदि

- धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध राजमि में 33.12 करोड़ रुपए की लागत से तैयार कथि गए इस बहुप्रतिक्रिति लक्ष्मण झूले की चौड़ाई 3.25 मीटर तथा लंबाई 610 मीटर है।
- महानदी पर निर्मित यह ब्रिज अपनी वास्तुकला के कारण काफी आकर्षक है। इसमें रोशनी के लथि आधुनिक एवं सुसज्जित प्रकाश व्यवस्था है। जिसके कारण रात को भी पर्यटकों का आवागमन सुगमता से हो सकता है।
- राजमि संगम स्थल पर निर्मित यह सस्पेंशन ब्रिज राज्य के बाहर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा, जिससे इस पौराणिक स्थल की ख्याति दूर-दूर तक फैलेगी एवं लगातार पर्यटकों की वृद्धि होगी।
- उल्लेखनीय है कि पर्यटकों को राजीव लोचन मंदिर से कुलेश्वर महादेव मंदिर या लोमश ऋषि आश्रम से कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर तक पहुँचने के लथि पैदल मार्ग से ही नदी पार करके जाना पड़ता था, जो बरसात के दिनों में अत्यंत जोखिमिभरा था।
- गौरतलब है कि राजमि छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले में महानदी के तट पर स्थित है। यह अपने शानदार मंदिरों के लथि प्रसिद्ध है। यहाँ 'राजमि' या 'राजीवलोचन' भगवान रामचंद्र का प्राचीन मंदिर है, जो 8वीं-9वीं सदी का है।
- राजमि के ऐतिहासिक माघ पूरणिमा का मेला (राजमि पुननी मेला) पूरे भारत में प्रसिद्ध है। इस बहुप्रतिक्रिति लक्ष्मण झूले से राजमि पुननी मेले को और भव्यता मिलेगी। इस पवतिर नगरी के ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्त्व के मंदिरों में प्राचीन भारतीय संस्कृति और शिल्पकला का अनोखा समन्वय नज़र आता है।